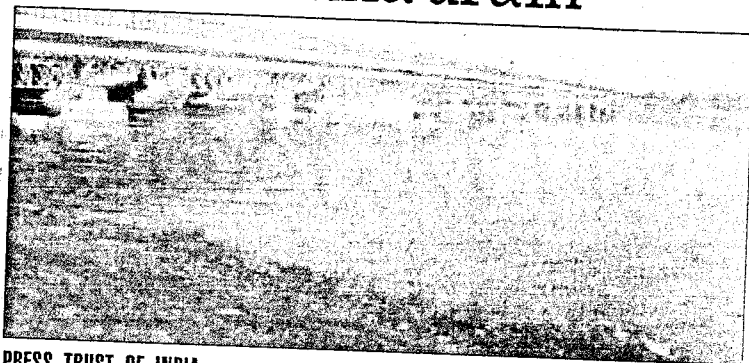


Item/letter/article/editorial published on *February 10.02.2017* in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P. Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	Aaj (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English) & Publicity Section, CWC.

Israeli firm to clean up toxic Yamuna drain *ST-10*



PRESS TRUST OF INDIA

New Delhi, 9 February

The Delhi government has roped in an Israeli firm to clean up, through ecological methods, an eight-kilometre stretch of one of the most polluting drains that empties into the highly-polluted Yamuna river. Delhi Water Minister Kapil Mishra said Israeli firm 'Ayala Water and Ecology Ltd' has been tasked with preparing a detailed project report on cleaning up the Bhalswa to Surghat stretch of the supplementary drain.

"The report will be prepared in the next four months. We have chosen the supplementary drain to begin with and plan to expand the project further. It can be considered a big step as the drain has a capacity of 180 million litres per day (MLD)," Mishra said.

The company has expertise in 'Phytoremediation', that uses shrubs to remove and destroy contaminants in soil and water; and 'constructed wetlands', which is also a natural method to cleanse water.

Supplementary is among the four big canals that join the Yamuna in Delhi where it traverses a distance of about 46 kms. The rest are the Barapula, Shahadara and Najafgarh drains. Ayala is already partnering with other Indian cities, including Hyderabad and Chennai, offering Israeli technology to help address water and ecological challenges. "As we celebrate 25 years of growing partnership, we are glad to offer Israeli technology integrated in government initiatives for the benefit of the Indian citizen. This is another example of the multifaceted partnership between India and Israel," said Daniel Carmon, Israeli Ambassador to India.

ws item/letter/article/editorial published on February - 10-02-2017 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi) ✓	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

नमामि गंगे...

पत्रिका - 10-2-17

परीक्षा के बाद छात्र करेंगे गंगा की सफाई

अनिल अधिनी शर्मा
rajasthanpatrika.com

नई दिल्ली. फरवरी और मार्च में बोर्ड और अन्य परीक्षाएं खत्म होने के बाद छात्र-छात्राएं गंगा नदी की सफाई में हाथ बटाएंगे। इसे लेकर केंद्रीय जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय ने एक विशेष कार्ययोजना तैयार की है। केंद्रीय जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्री उमा भारती ने कहा कि आगामी परीक्षा सत्र के बाद गंगा किनारे स्थित सभी गांवों व शहरों के विद्यालयों और महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं को बड़े पैमाने पर 'नमामि गंगे कार्यक्रम' से जोड़ा जाएगा। सभी छात्र अपनी परीक्षा के बाद गंगा की सफाई में जुटेंगे।

समिति का गठन

इसे लेकर केंद्रीय जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्री उमा भारती ने सचिवों की एक समिति का गठन किया है। गंगा पर अधिकार प्राप्त कार्यदल से उमा भारती ने कहा कि इस समिति में जल संसाधन मंत्रालय के सचिव के अलावा पर्यावरण और वन तथा पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय के सचिव सदस्य होंगे। यह समिति हर पखवाड़े में कम से कम एक बार जरूर बैठक करेगी। उमा भारती ने कहा कि गंगा की सफाई के पहले पुराने और अगूरे पड़े कार्यों को पूरा किया जाएगा और नई गतिविधियों को इनसे अलग रखा जाएगा।



उत्तराखंड पर देना होगा विशेष ध्यान

उन्होंने नमामि गंगे कार्यक्रम की विभिन्न परियोजनाओं के लिए राज्यों से अनापति प्रमाण पत्र मिलने में होने वाली देरी पर असंतोष व्यक्त किया। विशेष रूप से उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश का उल्लेख करते उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर विशेष ध्यान देना होगा। उन्होंने विभिन्न राज्यों से अपील की कि गंगा की सफाई अभियान के लिए अपने यहां राज्य और जिला स्तरीय गंगा समितियों का जल्द से जल्द गठन करें।

अब तक हुए काम

नमामि गंगे कार्यक्रम की अब तक किए गए कामों के बारे में उन्होंने बताया कि गंगा नदी के किनारे चिन्हित 4291 गांवों में से अब तक 2789 गांव को खुले में शौच मुक्त गांव के रूप में घोषित कर दिया गया है। इन क्षेत्रों के घरों में अब तक 8,96,415 शौचालयों का निर्माण किया जा चुका है। यह अपने लक्ष्य का 54 प्रतिशत है। गंगा किनारे मंजूर किए गए 182 घाटों और 118 शवदाह गृहों में से 50 घाटों और 15 शवदाह गृहों का कार्य शुरू हो गया है। बाकी के घाटों और शवदाह गृहों का कार्य तीन महीने के अंदर शुरू हो जाएगा। घरों में बनाए जाने वाले लगभग 15 लाख शौचालयों में से 10 लाख शौचालयों का निर्माण इस मार्च तक पूरा हो जाएगा।